14 हजार छात्रों को इंडस्ट्री से जोड़कर ट्रेनिंग देगा आईटीआ

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक संस्थान (आईटीआई) में पढ़ने वाले छात्र अब क्लास रूम तक ही सीमित नहीं रहेंगे। उनके कौशल को निखारने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ लगभग नौ माह तक इंडस्ट्री में ट्रेनिंग दी जाएगी। अभी तक विभिन्न कोर्सों के लगभग 250 छात्रों को ही इस सुविधा का लाभ मिल पा रहा था। अब 14 हजार से अधिक छात्रों को उद्योगों की सहभागिता से चलाए जा रहे डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) के तहत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे छात्र इंडस्ट्री के हिसाब से प्रशिक्षित हो सकेंगे।

कौशल को निखार कर छात्रों को आत्मनिर्भर बनाएगी सरकार

कौशल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इससे आईटीआई में पढ़ने वाले छात्रों को आधुनिक मशीनों को समझने का मौका मिलेगा। वर्तमान प्रशिक्षण लेने से छात्रों को इंडस्ट्री में ही रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। एक वर्षीय कोर्स करने वाले छात्रों को पांच महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद डीएसटी योजना को सभी कोर्सों से जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके अलावा आईटीआई छात्रों के लिए पूरे कोर्स के दौरान दो सप्ता ऑनजॉब ट्रेनिंग दिए जाने संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं

डीएसटी योजना के इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनि टर्नर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, वे मैकेनिक डीजल, मैकेनिक व्हीकल, कॉस्मेटोलॉजी, टूल्स डाई मेकर, ड्राफ्टमैन मैके अटेंडेंट ऑपरेटर, मैके रेफ्रिजरेशन व एयर कंडीश प्लंबर, ऑटोमोटिव बॉडी रि ऑटोमोटिव पेंट रिपेयर कोर्स के को इंडस्ट्री से जोड़ कर ट्रेनिं जाएगी। ब्यूरो